दैनिक सामयिकी: ०६.०७.२०२१

निपुण (NIPUN) भारत कार्यक्रम

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' ने **समझ के साथ पढ़ने तथा संख्या गणना में निपुणता के लिए राष्ट्रीय पहल (निपुण भारत)** को लॉन्च किया।
- निपुण भारत का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि देश का प्रत्येक बच्चा 2026-27 तक ग्रेड 3 के अंत तक मूलभूत साक्षरता और संख्यागणना कौशल आवश्यक रूप से प्राप्त कर सके।

प्रमुख बिंदु

- यह मिशन केंद्र प्रायोजित योजना **समग्र शिक्षा** के तत्वावधान में शुरू किया गया।
- यह मिशन बच्चों को स्कूली शिक्षा के मूलभूत वर्षों में पहुंच प्रदान करने और उन्हें स्कूल में बनाए रखने; शिक्षक क्षमता निर्माण; उच्च गुणवत्ता और विविध छात्र और शिक्षक संसाधन/लर्निंग सामग्री का विकास; और सीखने के परिणामों को प्राप्त करने में प्रत्येक बच्चे की प्रगति पर नज़र रखने के लिए है।
- निपुण भारत का उद्देश्य 3 से 9 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों की सीखने की जरूरतों को पूरा करना है।
- निपुण भारत की सफलता मुख्य रूप से शिक्षकों पर निर्भर करेगी। इसलिए शिक्षकों के क्षमता निर्माण पर विशेष जोर दिया जाएगा।
- **NCERT** द्वारा **NISHTHA (नेशनल इनिशिएटिव फॉर स्कूल हेड्स एंड टीचर्स होलिस्टिक एडवांसमेंट)** के तहत मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मक कौशल के लिए एक विशेष पैकेज तैयार किया जा रहा है और पूर्व प्राथमिक से प्राथमिक ग्रेड में पढ़ाने वाले लगभग 25 लाख शिक्षकों को FLN पर इस वर्ष प्रशिक्षित किया जाएगा।

नोट: 2021-22 में फाउंडेशनल स्टेज के लिए विभिन्न उपायों को लागू करने के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को समग्र शिक्षा योजना के तहत 2688.18 करोड़ रुपये की मंजूरी पहले ही दी जा चुकी है।

समग्र शिक्षा के बारे में:

- यह एक क्षेत्र-व्यापी विकास कार्यक्रम है जो **सर्व शिक्षा अभियान (SSA), राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (RMSA) और शिक्षक शिक्षा (TE)** की तत्कालीन मौजूदा केंद्र प्रायोजित योजनाओं को शामिल करता है।एकीकृत योजना में पूर्व-विद्यालय, प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, माध्यमिक से वरिष्ठ माध्यमिक स्तर तक एक निरंतरता के रूप में 'विद्यालय' की परिकल्पना की गई है।
- राज्य/संघ राज्य क्षेत्र स्तर पर एकल राज्य कार्यान्वयन सोसायटी (SIS) के माध्यम से विभाग द्वारा समग्र शिक्षा को केंद्र प्रायोजित योजना के रूप में कार्यान्वित किया जाता है।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

शिक्षा के लिए सतत विकास लक्ष्य (SDG):

- योजना का दृष्टिकोण शिक्षा के लिए **सतत विकास लक्ष्य (SDG)** के अनुसार पूर्व-विद्यालय से वरिष्ठ माध्यमिक स्तर तक समावेशी और समान गुणवत्ता वाली शिक्षा सुनिश्चित करना है।
- लक्ष्य **SDG-4.1 में** कहा गया है कि '2030 तक, सुनिश्चित करें कि सभी लड़के और लड़कियां मुफ्त, समान और गुणवत्तापूर्ण प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा पूरी करें जिससे प्रासंगिक और प्रभावी सीखने के परिणाम प्राप्त हों'।
- **SDG 4.5** कहता है कि '2030 तक शिक्षा के क्षेत्र में लिंग असमानता को खत्म करने और शिक्षा के सभी स्तरों के बराबर का उपयोग करता है'।

स्रोत: PIB

भारत ने वैश्विक साइबर सुरक्षा सूचकांक 2020 में 10 वां स्थान प्राप्त किया

चर्चा में क्यों?

- वैश्विक साइबर सुरक्षा सूचकांक (GCI) 2020 के चौथे संस्करण में भारत 10वें स्थान पर है, जो 2018 में अपने पिछले GCI रैंक से 37 स्थानों की महत्वपूर्ण छलांग है।

प्रमुख बिंदु

- **रैंक 1:** अमेरिका
- **रैंक 2:** ब्रिटेन, सऊदी अरब
- **रैंक 3:** एस्टोनिया
- **रैंक 10:** भारत

नोट: साइबर सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए भारत ने **एशिया प्रशांत क्षेत्र** में भी **चौथा स्थान** हासिल किया है।

वैश्विक साइबर सुरक्षा सूचकांक (GCI) के बारे में:

- GCI, **संयुक्त राष्ट्र** की एक विशेष एजेंसी **अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (ITU)** द्वारा निर्मित, विश्लेषण और प्रकाशित किया गया एक समग्र सूचकांक है जो अपने **194 सदस्य देशों** की साइबर सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को मापने के लिए है।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- GCI का आकलन साइबर सुरक्षा के **पांच स्तंभों** पर प्रदर्शन के आधार पर किया जाता है जिसमें - (i) कानूनी उपाय, (ii) तकनीकी उपाय, (iii) संगठनात्मक उपाय, (iv) क्षमता विकास, और (v) सहयोग शामिल हैं।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

जेंडर संवाद

चर्चा में क्यों?

- ग्रामीण विकास मंत्रालय के **दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (DAY-NRLM)** और **'महिलाओं और लड़कियों को अर्थव्यवस्था में सशक्त बनाने के लिए जरूरी कदम' (IWWAGE)** ने दूसरे जेंडर संवाद का आयोजन किया।
- जेंडर संवाद COVID-19 के प्रभाव के संदर्भ में राज्यों और महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों द्वारा किए गए कार्यों को प्रदर्शित करता है।
- जेंडर संवाद ने 2021 में COVID महामारी के दौरान भोजन, पोषण और स्वास्थ्य को मजबूत करने के लिए DAY-NRLM के प्रयासों और ग्रामीण भारत में बदलाव की कहानियों पर रोशनी डालते हुए **दो सार-संग्रह** जारी किए।

प्रमुख बिंदु

जेंडर संवाद के बारे में:

- जेंडर संवाद **DAY-NRLM** और **'महिलाओं और लड़कियों को अर्थव्यवस्था में सशक्त बनाने के लिए जरूरी कदम' (IWWAGE)** के बीच एक संयुक्त प्रयास है जिसे ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया था।
- **नोट:** 6 करोड़ से अधिक महिलाओं को भारत के सबसे बड़े आजीविका कार्यक्रम का हिस्सा बनाने के साथ DAY-NRLM ने उन्हें स्वयं सहायता समूहों (SHGs) और ग्रामीण गरीबों के संघो के रूप में संगठित करके उनके सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्धता दिखाई है।
- **DAY-NRLM (दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन) के बारे में:** DAY-NRLM भारत सरकार का प्रमुख कार्यक्रम है। भारत में गरीबों, विशेष रूप से महिलाओं के मजबूत संस्थानों के निर्माण के माध्यम से गरीबी में कमी को बढ़ावा देने के लिए, और इन संस्थानों को वित्तीय सेवाओं और आजीविका की एक श्रृंखला का उपयोग करने के लिए सक्षम करना है।
- **आजीविका - NRLM** ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जून 2011 में शुरू किया गया था।
- नवंबर 2015 में, कार्यक्रम का नाम बदलकर DAY-NRLM (दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन) कर दिया गया।

संग्रह:

- **पहला संग्रह:** इनमें से एक सार-संग्रह राज्य मिशन और सामुदायिक संस्थानों के जरिए भोजन, पोषण, स्वास्थ्य और वॉश को मजबूत करने के DAY-NRLM के प्रयासों पर आधारित है।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- **दूसरा संग्रह:** दूसरे सार-संग्रह में 2021 में COVID संबंधित महामारी के दौरान ग्रामीण भारत में बदलाव और दूसरी लहर के दौरान और बाद में कैसे स्वयं सहायता समूहों ने महिलाओं की आवश्यकताओं में सहायता की, इस पर कहानियां दी गई हैं।

स्रोत: PIB

DROD का शॉर्ट स्पैन ब्रिजिंग सिस्टम-10 m भारतीय सेना में शामिल

चर्चा में क्यों?

- **रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO)** द्वारा डिजाइन और विकसित **12 शॉर्ट स्पैन ब्रिजिंग सिस्टम (SSBS) -10 m** के पहले उत्पादन लॉट को भारतीय सेना में शामिल किया है।

प्रमुख बिंदु

- **SSBS-10 m** सैनिकों की तेजी से आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए 4 m चौड़ी पूर्ण सड़क प्रदान करता है और 9.5 m के अंतराल को एक स्पेन से पाटने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- DRDO की प्रमुख इंजीनियरिंग प्रयोगशाला अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान, पुणे ने मेसर्स L&T लिमिटेड के सहयोग से इस प्रणाली को डिजाइन और विकसित किया है।
- यह 12 पुल उत्पादन एजेंसी मेसर्स L&T लिमिटेड से 102 SSBS-10 m का हिस्सा हैं।

स्रोत: PIB

WAKO इंडिया किकबॉक्सिंग फेडरेशन को राष्ट्रीय खेल महासंघ के रूप में सरकारी मान्यता मिली

चर्चा में क्यों?

- युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने भारत में किकबॉक्सिंग खेल के प्रचार और विकास के लिए WAKO इंडिया किकबॉक्सिंग फेडरेशन को राष्ट्रीय खेल महासंघ (NSF) के रूप में मान्यता प्रदान करने का निर्णय लिया है।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

प्रमुख बिंदु

- WAKO इंडिया किकबॉक्सिंग फेडरेशन **वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ किकबॉक्सिंग ऑर्गनाइजेशन्स (WAKO)** से संबद्ध है, जो कि किकबॉक्सिंग के खेल के लिए अंतर्राष्ट्रीय फेडरेशन है।
- **अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (IOC)** के कार्यकारी बोर्ड ने जून 2021 को अपनी बैठक में WAKO को खेल के ओलंपिक परिवार का पूर्ण रूप से मान्यता प्राप्त सदस्य बनने की सिफारिश को स्वीकृति दे दी है।
- WAKO 30 नवंबर 2018 से IOC का अस्थायी रूप से मान्यता प्राप्त सदस्य है।

नोट: WAKO की पूर्ण मान्यता अंतिम रूप से जुलाई 2021 में टोक्यो में IOC सत्र के दौरान तय की जाएगी।

स्रोत: PIB

नासिक के सामुदायिक रेडियो स्टेशन ने राष्ट्रीय पुरस्कार जीता

चर्चा में क्यों?

- **सूचना और प्रसारण मंत्रालय** द्वारा स्थापित **राष्ट्रीय सामुदायिक रेडियो पुरस्कारों के 8वें संस्करण** में नासिक, महाराष्ट्र के एक **सामुदायिक रेडियो स्टेशन 'रेडियो विश्वास'** ने दो पुरस्कार हासिल किए हैं।
- रेडियो विश्वास 90.8 FM ने **"सस्टेनेबिलिटी मॉडल अवार्ड्स"** श्रेणी में **पहला पुरस्कार** और **"थीमैटिक अवार्ड्स"** श्रेणी में अपने कार्यक्रम COVID-19 के काल में **'एजुकेशन फॉर ऑल'** के लिए **दूसरा पुरस्कार** जीता है।

Teachers and students record lectures for 'Education for All' initiative

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

प्रमुख बिंदु

- **रेडियो विश्वास**, **विश्वास ध्यान प्रबोधिनी और अनुसंधान संस्थान, नासिक, महाराष्ट्र** द्वारा चलाया जाता है। इस संस्थान की शुरुआत से ही इस रेडियो स्टेशन से प्रसारण किया जा रहा है।

राष्ट्रीय सामुदायिक रेडियो पुरस्कारों के बारे में:

- सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने सामुदायिक रेडियो स्टेशनों के बीच नवाचार और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करने के लिए वर्ष 2011-12 में राष्ट्रीय सामुदायिक रेडियो पुरस्कारों की स्थापना की थी।
- इन सामुदायिक रेडियो स्टेशनों ने COVID-19 महामारी के दौरान संचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज की तारीख में, भारत में विभिन्न राज्यों में 327 सामुदायिक रेडियो स्टेशन चल रहे हैं।

स्रोत: PIB

Gradeup

Follow us on Telegram

Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now